SAARTHI · सारथी

करियर मार्गदर्शन पोर्टल · Career Guidance Portal
"सही मार्गदर्शन, उज्ज्वल भविष्य।"

करियर शीट · CAREER SHEET

Occupational Therapist (Rajasthan)

ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्ट वह स्वास्थ्यकर्मी है जो रोगी को रोज़ का जीवन फिर से स्वयं जी सकने योग्य बनाता है। फ़िज़ियोथेरेपिस्ट का ध्यान मुख्यतः गति एवं बल लौटाने पर रहता है; ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्ट का ध्यान इस पर कि व्यक्ति स्वयं कपड़े...

इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/raj-occupational-therapist

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी

Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)
www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

सुशील कुमार शर्मा
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

श्री चेनाराम चौधरी
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

श्रीमती संघमित्रा
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

भरत चौधरी
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)

🙏 विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

सुरेन्द्र सिंह राठौड़
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

सुरेश कुमार सैन
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

वनिता कुमारी
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

कमलेश चौधरी
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित
Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

1 यह करियर क्या है

ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्ट वह स्वास्थ्यकर्मी है जो रोगी को रोज़ का जीवन फिर से स्वयं जी सकने योग्य बनाता है। फ़िज़ियोथेरेपिस्ट का ध्यान मुख्यतः गति एवं बल लौटाने पर रहता है; ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्ट का ध्यान इस पर कि व्यक्ति स्वयं कपड़े पहन सके, खा सके, लिख सके, काम पर लौट सके अथवा विद्यालय जा सके। काम में लकवा, चोट, गठिया अथवा शल्यक्रिया के बाद के रोगी, जन्मजात अथवा विकासात्मक अक्षमता वाले बच्चे, तथा मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े प्रकरण आते हैं — और उपचार में व्यायाम के साथ-साथ सहायक उपकरण, दैनिक कार्यों का पुनःप्रशिक्षण, तथा घर एवं कार्यस्थल में आवश्यक बदलाव भी शामिल रहते हैं। राजस्थान में यह पद चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के पैरा-मेडिकल संवर्ग का हिस्सा है और इसकी भर्ती राजस्थान लोक सेवा आयोग करता है। यह उन पदों में है जिन तक कक्षा 12 विज्ञान एवं एक डिप्लोमा से पहुँचा जा सकता है — अर्थात् चिकित्सा-क्षेत्र में जाने का एक ऐसा रास्ता जिसमें एम.बी.बी.एस. की लंबी एवं महँगी राह आवश्यक नहीं।

2 एक नज़र में

न्यूनतम योग्यता	विज्ञान (जीव विज्ञान अथवा गणित) के साथ वरिष्ठ माध्यमिक अथवा समकक्ष + सरकार द्वारा मान्यता-प्राप्त संस्थान से ऑक्यूपेशनल थेरेपी में डिप्लोमा (सेवा नियम 1965, समूह-ख, पैरा-मेडिकल संवर्ग)
भर्ती संस्था	राजस्थान लोक सेवा आयोग (आर.पी.एस.सी.), अजमेर — विभाग: चिकित्सा एवं स्वास्थ्य
आयु-सीमा	18 से 40 वर्ष, आवेदन की अंतिम तिथि के बाद आने वाली 1 जनवरी को (सेवा नियम 1965, नियम 10) — आरक्षित वर्ग एवं महिला अभ्यर्थियों को ऊपरी आयु-सीमा में छूट मिलती है (विवरण नीचे)
आरंभिक वेतन	पे मैट्रिक्स स्तर सेवा नियमों में नहीं दिया — विज्ञप्ति देखें
माँग	100% सीधी भर्ती; ऊपर वरिष्ठ ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्ट का पद 100% पदोन्नति से भरता है

3 क्या-क्या चाहिए

रुचियाँ

- लोगों की सहायता करने एवं स्वास्थ्य से जुड़ा काम
- हाथ से किया जाने वाला व्यावहारिक उपचार
- अक्षमता, पुनर्वास एवं सहायक उपकरणों में रुचि

क्षमताएँ

- धैर्य — सुधार सप्ताहों एवं महीनों में आता है, दिनों में नहीं
- रोगी एवं परिवार दोनों को समझाने की क्षमता
- व्यावहारिक सूझ — उपलब्ध साधनों से उपकरण एवं उपाय बनाना

ज़रूरी कौशल

- दैनिक जीवन के कार्यों का मूल्यांकन एवं पुनःप्रशिक्षण
- लकवा, चोट एवं शल्यक्रिया के बाद का पुनर्वास
- बाल-विकास एवं विकासात्मक अक्षमता में हस्तक्षेप
- स्प्लिंट, सहायक उपकरण एवं अनुकूलित साधनों का निर्माण एवं उपयोग
- हाथ की चिकित्सा एवं सूक्ष्म गति का प्रशिक्षण
- घर एवं कार्यस्थल के वातावरण में आवश्यक बदलाव सुझाना
- रोगी अभिलेख एवं प्रगति का प्रलेखन

4 कैसे पहुँचें

1. कक्षा 12 विज्ञान (जीव विज्ञान अथवा गणित) उत्तीर्ण करें। यह शर्त 2021 से लागू है — इससे पहले नियमों में केवल माध्यमिक (कक्षा 10) की शर्त थी, जिसे बढ़ाकर वरिष्ठ माध्यमिक कर दिया गया। पुरानी शर्त अब भी नियमों के फुटनोट में दिखती है, पर वह लागू नहीं है।
2. सरकार द्वारा मान्यता-प्राप्त संस्थान से ऑक्यूपेशनल थेरेपी में डिप्लोमा करें। महाविद्यालय चुनते समय मान्यता की पुष्टि अवश्य कर लें, क्योंकि नियम की शर्त ही "सरकार द्वारा मान्यता-प्राप्त संस्थान" है — अमान्य संस्थान का डिप्लोमा पात्रता नहीं देता।
3. ध्यान दें कि इस पद के नियम में राजस्थान पैरामेडिकल काउंसिल में पंजीकरण की शर्त नहीं लिखी है, जबकि इसी अनुसूची के कुछ पड़ोसी पदों — ई.सी.जी. तकनीशियन एवं नेत्र सहायक — में वह शर्त स्पष्ट रूप से है। फिर भी व्यवहार में पंजीकरण उपयोगी रहता है, इसलिए विज्ञप्ति में यह अवश्य देखें कि उस चक्र में क्या माँगा गया है।
4. आयु 18 से 40 वर्ष के बीच होनी चाहिए।
5. आर.पी.एस.सी. की विज्ञप्ति आने पर ऑनलाइन आवेदन करें।

प्रमुख परीक्षाएँ

- भर्ती राजस्थान लोक सेवा आयोग करता है और पद 100% सीधी भर्ती से भरा जाता है। आयोग की विज्ञप्ति-सूची में इस पद के दो चक्र मिलते हैं — "OCCUPATIONAL THERAPIST 2015" तथा "OCCUPATIONAL THERAPIST 2022", जिसका नवीनतम दस्तावेज़ 11-09-2023 का है। इन तिथियों से स्पष्ट है कि भर्ती नियमित अंतराल पर नहीं आती।
- इसका व्यावहारिक अर्थ यह है कि 2021 से यह पद कक्षा 10 वालों के लिए बंद हो गया है और अब कक्षा 12 विज्ञान आवश्यक है। जो पुरानी सूचना अथवा पुरानी विज्ञप्ति के आधार पर तैयारी कर रहे हों, वे इस बदलाव को अवश्य जाँच लें।
- ध्यान दें — यह पद सी.ई.टी. नियम 2022 की अनुसूचियों में नहीं है, इसलिए इसके लिए सी.ई.टी. उत्तीर्ण करना आवश्यक नहीं। यह आयोग का पद है, बोर्ड का नहीं।
- योग्यता की शर्त पर एक बात विशेष रूप से दर्ज की जा रही है, क्योंकि इन नियमों को पढ़ते समय यहाँ भूल होना बहुत आसान है। नियमों में इस पद के लिए दो योग्यताएँ छपी दिखती हैं — एक "माध्यमिक अथवा समकक्ष + डिप्लोमा", दूसरी "विज्ञान सहित वरिष्ठ माध्यमिक + डिप्लोमा"। पहली वाली "Substituted for" (प्रतिस्थापित) फुटनोट के भीतर है, अर्थात् वह पुरानी एवं हट चुकी शर्त है; 29-10-2021 की अधिसूचना से उसे बदला गया। आज की शर्त वरिष्ठ माध्यमिक वाली है।
- पदोन्नति का ढाँचा सरल है — इसी अनुसूची में ऊपर वरिष्ठ ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्ट का पद है, जो 100% पदोन्नति से भरा जाता है और उसके लिए ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्ट के पद पर 5 वर्ष की सेवा आवश्यक है।
- ऊपरी आयु-सीमा में छूट — अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के पुरुष अभ्यर्थियों को 5 वर्ष; सामान्य वर्ग की महिला अभ्यर्थियों को 5 वर्ष; तथा इन्हीं वर्गों की महिला अभ्यर्थियों को 10 वर्ष। इसका सीधा अर्थ यह है कि किसी पद के आगे लिखी बिना छूट वाली आयु किसी आरक्षित वर्ग की महिला के लिए दस वर्ष कम बताती है — यदि आप उस श्रेणी में हैं तो अपनी पात्रता छूट जोड़कर ही तय करें। राजस्थान में सीधी भर्ती में महिला अभ्यर्थियों के लिए 30% पद श्रेणीवार आरक्षित रहते हैं। विधवा एवं परित्यक्ता (तलाकशुदा) महिला अभ्यर्थियों के लिए कोई ऊपरी आयु-सीमा नहीं — नियमों में यही शब्द हैं। राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवा (संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा द्वारा सीधी भर्ती) नियम, 1999 के नियम 13(9) में, तथा राजस्थान चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधीनस्थ सेवा नियमों के इसी परंतुक में यह प्रावधान दर्ज है, और आर.पी.एस.सी. की विज्ञप्तियाँ भी इसे दोहराती हैं। विधवा को सक्षम अधिकारी से पति का मृत्यु प्रमाण-पत्र और परित्यक्ता को तलाक का प्रमाण देना होता है। छूट एवं आरक्षण की सटीक शर्तें उसी भर्ती की विज्ञप्ति में दी जाती हैं।

5 कहाँ से पढ़ें

सरकारी संस्थान

- Government medical colleges and their allied health / para-medical courses — जयपुर, जोधपुर, बीकानेर, अजमेर, उदयपुर, कोटा (https://rajswasthya.rajasthan.gov.in/)
- All India Institute of Physical Medicine and Rehabilitation — occupational therapy, a Government of India institution — मुंबई, महाराष्ट्र (https://aiipmr.gov.in/)
- National Institute for Locomotor Disabilities and other National Institutes under the Department of Empowerment of Persons with Disabilities — भारत सरकार के राष्ट्रीय संस्थान (https://disabilityaffairs.gov.in/)
- Government senior secondary schools — Class 12 with biology or mathematics — हर ब्लॉक में

ऑनलाइन

- चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, राजस्थान — यही वह विभाग है जिसमें यह पद आता है (https://rajswasthya.rajasthan.gov.in/)
- राजस्थान पैरामेडिकल काउंसिल — मान्यता-प्राप्त पाठ्यक्रम एवं संस्थान — महाविद्यालय की मान्यता जाँचने के लिए (https://rajswasthya.rajasthan.gov.in/)
- Rehabilitation Council of India — recognised rehabilitation courses — भारत सरकार (https://rehabcouncil.nic.in/)
- आर.एस.एस.बी. — पिछले प्रश्न-पत्र, उत्तर कुंजी व पाठ्यक्रम (निःशुल्क) — राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की आधिकारिक साइट — तैयारी के लिए सबसे भरोसेमंद निःशुल्क सामग्री (https://rsmssb.rajasthan.gov.in/show_archived?menuName=Xj4lCb9vGxpQnfLs%2FxlZ2g%3D%3D)
- विभागीय सेवा नियम (कार्मिक विभाग) — पद की योग्यता व आयु मूल दस्तावेज़ में पढ़ें — कार्मिक विभाग हर संवर्ग के सेवा नियम प्रकाशित करता है। किसी भी कोचिंग सामग्री से पहले यही पढ़ें — योग्यता, आयु और भर्ती की विधि यहीं तय होती है। (https://dop.rajasthan.gov.in/)
- स्वयं (SWAYAM) — भारत सरकार के निःशुल्क ऑनलाइन कोर्स — निःशुल्क (https://swayam.gov.in/)
- राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय (NDLI) — निःशुल्क पुस्तकें व अध्ययन सामग्री (https://ndl.iitkgp.ac.in/)
- एन.सी.ई.आर.टी. — निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें — सामान्य ज्ञान, गणित व विज्ञान की नींव (https://ncert.nic.in/)

फ़ीस

यह उन चिकित्सा-क्षेत्र के पदों में है जिन तक पहुँचने का खर्च अपेक्षाकृत कम है — कक्षा 12 विज्ञान राजकीय विद्यालय से लगभग निःशुल्क हो जाती है, और उसके बाद डिप्लोमा की अवधि डिग्री से छोटी रहती है। महाविद्यालय चुनते समय दो बातें अवश्य देखें: संस्थान सरकार द्वारा मान्यता-प्राप्त हो, और शुल्क की तुलना राजकीय अथवा मेडिकल कॉलेज से संबद्ध पाठ्यक्रमों से कर लें, क्योंकि निजी संस्थानों में यही डिप्लोमा कई गुना महँगा मिलता है। राजस्थान की छात्रवृत्तियाँ एवं अनुप्रति जैसी राज्य योजनाएँ इस राह पर लागू होती हैं। एक व्यावहारिक बात यह भी है कि यह डिप्लोमा केवल इसी सरकारी पद तक सीमित नहीं — पुनर्वास केंद्र, निजी चिकित्सालय, विशेष विद्यालय एवं वृद्ध-देखभाल के क्षेत्र में भी इसकी माँग रहती है।

छात्रवृत्तियाँ

- Mukhyamantri Anuprati Coaching Yojana (free coaching, apply via SSO) (https://sso.rajasthan.gov.in/signin)
- Rajasthan Social Justice and Empowerment Dept scholarships (https://sje.rajasthan.gov.in/)
- National Scholarship Portal (NSP) (https://scholarships.gov.in/)
- Buddy4Study scholarship search (https://www.buddy4study.com)

6 काम कैसा होता है

कहाँ काम

राजकीय चिकित्सालयों के भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास विभाग, ज़िला चिकित्सालय, मेडिकल कॉलेज से संबद्ध चिकित्सालय, पुनर्वास केंद्र, तथा विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए चलने वाले कार्यक्रम।

कार्य-संस्कृति

काम का ढंग धीमा एवं संबंध-आधारित है। एक ही रोगी हफ़्तों अथवा महीनों तक आता है, और सुधार छोटे-छोटे चरणों में दिखता है — पहले चम्मच पकड़ना, फिर स्वयं खाना, फिर बटन लगाना। इसका परिणाम बहुत ठोस होता है और रोगी के जीवन में सीधे दिखता है, पर उसके लिए धैर्य आवश्यक है, और यह उन लोगों को कठिन लगता है जो तुरंत परिणाम देखना चाहते हैं। दूसरी ओर, इस काम में रचनात्मकता की गुंजाइश असामान्य रूप से अधिक है: सरकारी चिकित्सालयों में तैयार उपकरण सदा उपलब्ध नहीं होते, इसलिए साधारण सामग्री से स्प्लिंट अथवा सहायक उपकरण बना लेना इस पेशे का सामान्य कौशल है। परिवार के साथ काम करना भी इसका अभिन्न भाग है — घर में क्या बदलना है, यह समझाना उपचार जितना ही महत्त्वपूर्ण रहता है।

कौन नौकरी देता है

- चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, राजस्थान
- पुनर्वास केंद्र एवं विशेष विद्यालय
- ज़िला चिकित्सालय एवं मेडिकल कॉलेज से संबद्ध चिकित्सालय
- सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के दिव्यांगजन कार्यक्रम

माँग (2026)

पुनर्वास की आवश्यकता बढ़ रही है — सड़क दुर्घटनाएँ, लकवे के प्रकरण, बढ़ती आयु वाली जनसंख्या तथा विकासात्मक अक्षमता वाले बच्चों की पहचान, सब मिलकर इस कौशल की माँग बनाते हैं, और दिव्यांगजन अधिकार क़ानून के बाद सरकारी कार्यक्रमों में पुनर्वास को अधिक स्थान मिला है। फिर भी यह संवर्ग बहुत छोटा है और इसे स्पष्ट रूप से कहना आवश्यक है: आयोग की सूची में इस पद के केवल दो चक्र मिलते हैं, 2015 एवं 2022। इसलिए इस पद को अकेला लक्ष्य मानकर योजना बनाना उचित नहीं होगा। उचित यह है कि ऑक्यूपेशनल थेरेपी के डिप्लोमा को अपने आप में एक व्यवसाय माना जाए — पुनर्वास केंद्र, निजी चिकित्सालय, विशेष विद्यालय एवं वृद्ध-देखभाल में इसकी माँग स्थिर है — और यह सरकारी पद उसमें उपलब्ध विकल्पों में से एक हो, जिसकी विज्ञप्ति आने पर आवेदन किया जाए। पदों की संख्या विभाग की आवश्यकता बताती है, आपके चयन की संभावना नहीं। एक बात स्पष्ट रहे — ऊपर दी गई "माँग" पदों की संख्या बताती है, आपके चयन की संभावना नहीं। चयन खुली प्रतियोगिता से होता है और आवेदन करने वालों की संख्या पदों से कई गुना अधिक रहती है, इसलिए अधिकांश अभ्यर्थी किसी एक भर्ती में चयनित नहीं हो पाते। यह इस करियर के विरुद्ध तर्क नहीं है — बस इसे अपनी एकमात्र योजना न बनाएँ। तैयारी के साथ-साथ पढ़ाई जारी रखें या कोई कौशल सीखें, ताकि परिणाम चाहे जो हो, वर्ष व्यर्थ न जाए।

7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्ट — प्रवेश का पद, 100% सीधी भर्ती
2. वरिष्ठ ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्ट — 100% पदोन्नति से, ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्ट के पद पर 5 वर्ष की सेवा पर
3. चिकित्सालय के पुनर्वास विभाग में पर्यवेक्षी उत्तरदायित्व
4. आगे की डिग्री (बी.ओ.टी. अथवा एम.ओ.टी.) करने पर शिक्षण एवं विशेषज्ञता के रास्ते भी खुलते हैं

कमाई

शुरुआत	विज्ञप्ति में घोषित पे मैट्रिक्स स्तर के अनुसार
मध्य स्तर	₹40,000 – ₹55,000 (भत्तों सहित, कुछ वर्षों बाद)
वरिष्ठ स्तर	₹65,000 से अधिक (भत्तों सहित, वरिष्ठ ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्ट स्तर पर)

1965 के सेवा नियमों में इस पद के लिए पे मैट्रिक्स का स्तर नहीं दिया गया, इसलिए आरंभिक वेतन इस पृष्ठ पर आँकड़े के रूप में नहीं लिखा गया — वह उसी चक्र की विज्ञप्ति में मिलेगा। ऊपर दिए मध्य एवं वरिष्ठ स्तर के आँकड़े अनुमानित हैं और किसी आधिकारिक दस्तावेज़ से पुष्ट नहीं; उन्हें दिशा समझें, वचन नहीं। ध्यान रहे कि यह डिप्लोमा-स्तर का पैरा-मेडिकल पद है, इसलिए इसका वेतनमान डिग्री एवं स्नातकोत्तर वाले चिकित्सा पदों से नीचे रहता है। शुरुआती वेतन का आँकड़ा मूल वेतन है, ताकि इसे दूसरे करियर के साथ सीधे तुलना किया जा सके। इस पर महँगाई भत्ता (1 जनवरी 2026 से मूल वेतन का 60%) एवं मकान किराया भत्ता अलग से जुड़ते हैं, इसलिए हाथ में आने वाली राशि इससे काफ़ी अधिक होती है। मध्य-स्तर व वरिष्ठ स्तर के आँकड़े भत्तों सहित अनुमानित मासिक आय हैं, मूल वेतन नहीं। ध्यान दें — राजस्थान में सीधी भर्ती से लगे कर्मचारी पहले 2 वर्ष परिवीक्षाधीन प्रशिक्षणार्थी रहते हैं और इस अवधि में वेतनमान नहीं, बल्कि एक नियत पारिश्रमिक मिलता है; इन दो वर्षों में महँगाई भत्ता व मकान किराया भत्ता देय नहीं होते (राजस्थान सेवा नियम, नियम 7(30क))। पूरा वेतनमान परिवीक्षा पूरी होने के बाद लागू होता है। इस पद का पे मैट्रिक्स स्तर इस पृष्ठ पर आधिकारिक दस्तावेज़ से पुष्ट नहीं किया जा सका — न सेवा नियमों में, न सी.ई.टी. नियम 2022 की अनुसूची में। इसलिए यहाँ कोई स्तर नहीं लिखा गया है। सही आँकड़ा उस भर्ती की आधिकारिक विज्ञप्ति में दिया जाता है; आवेदन से पहले उसे अवश्य देखें। ऊपर दिए गए आँकड़े राजस्थान के सातवें वेतन मैट्रिक्स पर आधारित हैं, जो 17 अगस्त 2026 तक लागू है। आठवें केंद्रीय वेतन आयोग के गठन की शर्तें 28 अक्टूबर 2025 को स्वीकृत हुई थीं और आयोग को गठन से 18 माह के भीतर सिफ़ारिशें देनी हैं। राज्य सरकारें केंद्रीय वेतन आयोग की सिफ़ारिशें आमतौर पर कुछ संशोधनों के साथ, और कुछ देर से, लागू करती हैं — इसलिए राजस्थान का वेतनमान भी आगे संशोधित होगा, यद्यपि कब और कितना, यह अभी तय नहीं है।

8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

अच्छी बातें

- कक्षा 12 एवं डिप्लोमा से चिकित्सा-क्षेत्र में प्रवेश — एम.बी.बी.एस. की लंबी राह आवश्यक नहीं
- काम का परिणाम रोगी के जीवन में सीधे एवं ठोस रूप से दिखता है
- वही डिप्लोमा पुनर्वास केंद्रों, निजी चिकित्सालयों एवं विशेष विद्यालयों में भी चलता है
- पदोन्नति का ढाँचा सरल एवं स्पष्ट — 5 वर्ष की सेवा पर वरिष्ठ पद

चुनौतियाँ

- संवर्ग बहुत छोटा है — आयोग की सूची में केवल दो चक्र, 2015 एवं 2022
- 2021 से योग्यता बढ़ाकर वरिष्ठ माध्यमिक कर दी गई, इसलिए पुरानी सूचना पर भरोसा करना जोखिम भरा है
- डिप्लोमा-स्तर का पद होने के कारण वेतनमान डिग्री वाले चिकित्सा पदों से नीचे
- उपचार में परिणाम धीमे आते हैं — यह धैर्य माँगने वाला काम है

9 स्रोत व आगे पढ़ें

1. कार्मिक विभाग, राजस्थान — राजस्थान चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधीनस्थ सेवा नियम, 1965 — https://dop.rajasthan.gov.in/

2. राजस्थान लोक सेवा आयोग — विज्ञप्तियाँ (ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्ट 2015 एवं 2022 सहित) — https://rpsc.rajasthan.gov.in/advertisements

3. चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, राजस्थान — https://rajswasthya.rajasthan.gov.in/

4. भारतीय पुनर्वास परिषद — https://rehabcouncil.nic.in/

5. राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (आधिकारिक) — https://rssb.rajasthan.gov.in/

6. आठवाँ केंद्रीय वेतन आयोग — मंत्रिमंडल की स्वीकृति (पी.आई.बी., 28 अक्टूबर 2025) — https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2183289

और 770+ करियर — पूरा पोर्टल

रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।

career.gsssjethantri.in